



स्टॉकहोम में रोड शो

चर्चा में क्यों?

हाल ही में मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड ने स्टॉकहोम, स्वीडन में यात्रा व्यापार उद्योग के लिये तैयार अपने आगामी रोड शो कार्यक्रम की घोषणा की।

मुख्य बंदि:

- यह वशिष रोड शो यात्रा पेशेवरों, मीडिया, ब्लॉगर्स और प्रभावशाली लोगों के लिये मध्य प्रदेश, भारत के विविध पर्यटन परदृश्य में जाने तथा स्थानीय पर्यटन अधिकारियों के साथ पारस्परिक रूप से लाभप्रद साझेदारी बनाने का एक असाधारण अवसर प्रस्तुत करता है।
- इस रोड शो के माध्यम से, मध्य प्रदेश पर्यटन का लक्ष्य है:
 - संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' विश्व धरोहर स्थलों सहित राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों को उजागर करें, जिनमें खजुराहो स्मारक समूह, सांची स्तूप तथा भीमबेटका रॉक शेल्टर, राष्ट्रीय उद्यान, वन्यजीव अभयारण्य, ऐतिहासिक स्थल और जीवंत सांस्कृतिक त्योहार शामिल हैं।
 - राज्य की प्राकृतिक और सांस्कृतिक वरिसत को संरक्षित करने के लिये मध्य प्रदेश पर्यटन द्वारा किये गए स्थायी पर्यटन प्रथाओं और संरक्षण प्रयासों को प्रदर्शित करना।
 - दोनों क्षेत्रों के बीच पर्यटन आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिये मध्य प्रदेश पर्यटन औरस्वीडिश टूरिज्म एजेंसियों, टूर ऑपरेटर्स, मीडिया तथा प्रभावशाली लोगों के बीच साझेदारी व सहयोग को बढ़ावा देना।
 - मध्य प्रदेश में उपलब्ध अद्वितीय यात्रा अनुभवों और अवसरों, जैसे वन्यजीव सफारी, सांस्कृतिक वसिर्जन, साहसिक पर्यटन तथा पर्यावरण-पर्यटन पहल के बारे में जानकारी प्रदान करना।

मध्य प्रदेश पर्यटन बोर्ड (MPTB)

- इसकी स्थापना वर्ष 2017 में मध्य प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- बोर्ड का मुख्य उद्देश्य सार्वजनिक, नज्जी भागीदारी के साथ स्थायी तरीके से पर्यटन का विकास, नविशकों को सुविधा, कौशल-विकास, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पर्यटन स्थलों का प्रचार/प्रसार, पर्यटन बुनियादी ढाँचे की पहचान तथा विकास करना है।

खजुराहो समूह के स्मारक (1986)

- इन मंदिरों का नरिमाण चंदेल राजवंश के दौरान कया गया था, जो 950 और 1050 के बीच अपने चरम पर था।
- केवल 20 मंदिर बचे हैं, जो दो अलग-अलग धर्मों - हिंदू धर्म और जैन धर्म से संबंधित हैं, जिनमें जटलि तथा सुंदर नककाशीदार मूर्तियों से सजाए गए प्रसदिध कंदारिया मंदिर भी शामिल है।

भीमबेटका रॉक शेल्टर (2003)

- ये शेल्टर मध्य भारतीय पठार के दक्षिणी किनारे पर, वधिय पर्वतमाला की तलहटी में स्थित हैं।
- प्राकृतिक रॉक शेल्टर के पाँच समूहों के रूप में खोजे गए, जिनमें मेसोलिथिक और उसके बाद के अन्य कालखंडों की पेंटिंग प्रदर्शित हैं।
- आसपास के क्षेत्रों के निवासियों की सांस्कृतिक परंपराएँ चित्रों में प्रदर्शित परंपराओं के समान हैं।

सांची में बौद्ध स्मारक (1989)

- यह अस्तित्व में सबसे पुराना बौद्ध अभयारण्य है और 12वीं शताब्दी तक भारत में एक प्रमुख बौद्ध केंद्र था।
- सांची की साइट में विभिन्न संरक्षित राज्यों में बौद्ध स्मारकों (अखंड स्तंभ, महल, मंदिर और मठ) का एक समूह शामिल है, जिनमें से अधिकांश दूसरी और पहली शताब्दी ईसा पूर्व के हैं।

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/roadshow-in-stockholm>

